दैनिक न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना- राशिफल

रायगढ़, सोमवार 25 फरवरी 2019

www.nyaysakshi.com

संपादकीय

खजाने के पीछे

'धमाल' श्रृंखला के लेटेस्ट प्रॉडक्ट के तौर पर कल रिलीज हुई फिल्म चाहे जैसी भी निकले, पर इसने यह तो साबित कर ही दिया है कि छुपाकर रखी नकदी खोजने का फॉर्म्युला भारत में डिजिटल युग आ जाने के बावजूद चलन से बाहर नहीं हुआ है। यह धमाल सिरीज की तीसरी फिल्म है। पहली दोनों में भी गड़े हुए पैसे के पीछे दसियों लोगों के एक साथ भागने का वृत्तांत है। खजानों की खोज के साहसिक अभियानों के आख्यान दुनिया भर में प्रचलित रहे हैं।

संभव है, इनमें से कुछेक वास्तविक भी रहे हों। लेकिन उनकी असल भूमिका असंख्य काल्पनिक कथाओं को जन्म देने की ही रही है। इनके आकर्षण का आधार यह है कि अचेतन में हर शख्स अपने जीवन में किसी चमत्कार की प्रतीक्षा में बैठा रहता है। यथार्थ जीवन में संपन्नता एक प्रकिया के तहत ही आती है, लेकिन एक झटके में सब कुछ हासिल करने का रोमांच ही अलग है। गरीब व्यक्ति के लिए यह बात बहुत मायने रखती है लेकिन समृद्ध व्यक्ति भी इसके आकर्षण से बच नहीं पाता। बल्कि कई बार तो प्रशासन भी इस फंदे में फंस जाता है। कुछ ही साल पहले उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक साधु शोभन सरकार ने ऐसा ही एक शिगूफा छोड़ा कि उसने सपने में एक मंदिर परिसर में 1000 टन सोने का भंडार दबा देखा है। उसकी इस तरंग को पुरातत्व विभाग और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भी गंभीरता से लिया और विधिवत खुदाई करवा दी। नतीजा सिफर रहा।

मानव मनोविज्ञान के इस कमजोर पहलू पर दुनिया भर के फिल्मकारों ने हाथ फेरा। हॉलिवुड में इस थीम पर बनीं ट्रेजर आईलैंड(1934), 'दि गुड, दि बैड, एंड दि अगली' (1966), रेडर्स ऑफ दि लॉस्ट आर्क(1981), इंडियाना जोन्स एंड दि टेंपल ऑफ डूम (1984), इंडियाना जोन्स एंड दि लास्ट क्रूसेड (1989) और पाइरेट्स ऑफ दि कैरिबियन सीरीज उल्लेखनीय हैं। हाल में भारत और चीन के सहयोग से बनी फ्लॉप फिल्म 'कुंग फू योगा' का विषय भी यही था। बॉलिवुड में हर तीसरी-चौथी फिल्म बिना कुछ किए-धरे अमीर हो जाने की थीम पर ही बनती है। 1987 में एक फिल्म 'खजाना' नाम से ही बनी थी, जिसमें रणधीर कपूर हीरो थे। इससे पहले 1982 में 'सम्राट', 1988 में 'जलजला' और 1992 में 'दौलत की जंग' भी खजाना हथियाने की कोशिशों पर ही बनी थीं। हाल के वर्षों में 'नक्शा' और 'फुकरे' जैसी फिल्मों में इसी फॉर्म्युले को अपनाया गया, लेकिन ज्यादातर फिल्मों ने किसी को अमीर होते नहीं दिखाया। यानी खजाना तो मिला लेकिन इसे ढूंढने में लगे लोग खजाने का उपभोग नहीं कर पाए। पैसा अंततः किसी जरूरतमंद समूह के पास ही पहुंचा। फिल्मकारों ने यह बताने की कोशिश की कि मुफ्त में हासिल चीज हमारे काम नहीं आती। बेहतर है कि हम अपने श्रम, कौशल और रचनात्मकता से संपत्ति हासिल करें। इसमें टैक्स भी कम पड़ता है!

आरएसडीसी रबर क्षेत्र के 10 लाख लोगों का कौशल विकास करेगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के रबर क्षेत्र में कौशल विकास की दिशा में कार्यरत रबर स्किल डेवलपमेंट काउंसिल (आरएसडीसी) ने क्षेत्र से जुड़े लाखों लोगों को कुशल बनाने के लिए शनिवार को समर्थ के नाम से अभियान शुरू किया। इस अभियान का लक्ष्य भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप रबर क्षेत्र से जुड़े 10 लाख लोगों को कुशल बनाना और उनकी कुशलता को निखारना है।

इस अभियान की औपचारिक शुरूआत करते हुए मोबाइल टायर सर्विस स्किल वैन लॉन्च की गई है। यह स्किल वैन विभिन्न राज्यों के राजमार्गों, गांवों और कस्बों में जाकर टायर सर्विस और मैटेनेंस के क्षेत्र में कौशल विकास की जरूरत को लेकर जागरूकता फैलाते हुए लोगों को सड़क सुरक्षा के लिए प्रोत्साहित कर रही है। जरूरी उपकरणों और कुशल कर्मियों से लैस स्किल वैन टायर फिटर्स को प्रशिक्षित कर रही और उन्हें कुशल बनाते हुए कुशलता का प्रमाणपत्र भी दे रही है।

समर्थ अभियान को समर्थन देते हुए केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, रबर क्षेत्र बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करता है और भारत के जीडीपी में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। आरएसडीसी को इस बात का श्रेय जाता है कि उसने इस सेक्टर को गहराई से समझा, कौशल की कमी को जाना और विनिर्माण, रबर प्लांटेशन व टायर सर्विस सेगमेंट में रोजगार का मानकीकरण किया।

आरएसडीसी के चेयरमैन विनोद सिमोन ने कहा, भारतीय राजमार्गों पर हर जगह कार्यरत टायर फिटर्स सड़क परिवहन को सुरक्षित एवं सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। टायरों की फिटिंग करना, विशेषरूप से बड़े वाणिज्यिक वाहनों के टायरों की फिटिंग एक कुशल रोजगार है, जिसके लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की जरूरत होती है। दुर्भाग्य से टायर फिटर्स का बड़ा वर्ग औपचारिक रूप से प्रशिक्षित नहीं है। इसलिए हमने टायर फिटर्स के कौशल विकास के लक्ष्य के साथ समर्थ अभियान की शुरूआत की है।

आरएसडीसी की सीईओ मेघना मिश्रा ने बताया कि यह प्रशिक्षण प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएम के वी वाई) की रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग (आरपीएल) स्कीम के तहत दिया जा रहा है। छह साल के सफर में आरएसडीसी ने लंबी दूरी तय की है। सेक्टर में प्लांटेशन से लेकर मैन्यूफैक्च रिंग तक हर सेगमेंट के लिए नेशनल ऑक्यूपेशन स्टैंडर्ड (एनओएस) तैयार किया गया है और अब तक एक लाख लोगों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

स्किल गैप को लेकर 20 राज्यों में सर्वेक्षण किया गया है। आरएसडीसी ने 13 राज्य मिशन और 11 विश्वविद्यालयों से गठजोड़ किया है। आरएसडीसी ने रबड़ टेक्नोलॉजी में स्नातक डिग्री की भी शुरूआत की है।

महंगा हुआ सोना, चांदी 250 रुपये चमकी

नई दिल्ली(आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दोनों कीमती धातुओं में रही तेजी के बीच वैवाहिक जेवराती मांग आने से बीते सप्ताह दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 140 रुपये की साप्ताहिक बढ़त के साथ 34,590 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। इस दौरान सिक्का निर्माताओं के उठाव में आयी तेजी और औद्योगिक मांग निकलने से चाँदी भी 250 रुपये की छलांग लगाकर 41,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी। लंदन और न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार, गत सप्ताह लंदन का सोना हाजिर 6.35 डॉलर की साप्ताहिक बढ़त के साथ शुक्रवार को सप्ताहांत पर 1,327.35 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। मई का अमेरिकी सोना वायदा भी 5.70 डॉलर की तेजी के साथ सप्ताहांत पर 1,330.70 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

सेबी ने मोतीलाल ओसवाल, आईआईएफएल के कमोडिटी ट्रेडिंग पर लगाई रोक

मुंबई (आरएनएस)। बाजार विनियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कमोडिटी ब्रोकिंग फर्म मोतीलाल ओसवाल और इंडिया इन्फोलाइन (आईआईएफएल) को एनएसईएल मामले में अयोग्य करार दिया है। सेबी ने कहा कि ये फर्म एनएसईएल मामले में की गई कार्रवाई के हिस्से के रूप में फिट व सही नहीं है। नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसईएल) की सांठगांठ से नियमों का उल्लंघन कर निवेशकों को चूना लगाने को लेकर सेबी करीब 300 ब्रोकर की जांच कर रही है। दरअसल, विनियामक ने प्राथमिकी (एफआईआर) में ब्रोकरेज फर्मो को नामित किया है।

एनएसईएल ने ट्रेड के लिए पर्याप्त आधारभूत स्टॉक नहीं बनाए रखा जबकि ब्रोकर्स ने आकर्षक अनुबंध निवेशकों को बेच दिया। इसी कारण चूक हुई और इसके फलस्वरूप 2013 में एक्सचेंज ने 5,600 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया। प्राधिकृत अधिकारियों ने सेबी को सुपुर्द रिपोर्ट में कहा, मामले की गंभीरता, तथ्य और परिस्थितियों को देखते हुए संबंधित ब्रोकर के कमोडिटी ब्रोकर के रूप में संचालन पर सवाल है और इसने निश्चित तौर पर अपनी ख्याति, सच्चाई के रिकॉर्ड, ईमानदारी और निष्ठा घटाई है।

केंद्र की परियोजनाओं में अड़ंगा डाल रही है ओडिशा सरकार : प्रधान

भुवनेश्वर (आरएनएस)। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेद्र प्रधान ने शनिवार को ओडिशा सरकार पर प्रदेश में केंद्र सरकार की 1,36,417 करोड़ रुपये की परियोजनाओं में अड़ंगा डालने का आरोप लगाया। मालूम हो कि इस साल लोकसभा चुनाव के साथ-साथ ओडिशा में विधानसभा चुनाव भी होने वाला है। प्रधान ने यहां एक प्रेस मीट को संबोधित करते हुए कहा कि ओडिशा सरकार प्रदेश में परियोजनाओं को लागू करने में सहयोग नहीं कर रही है।

परियोजनाओं का विवरण पेश करते हुए प्रधान ने कहा कि 51,395 करोड़ रुपये की पेट्रोलियम व प्राकृति गैस परियोजनाओं का काम अटका पड़ा है और 55,563 करोड़ रुपये की सड़क परिवहन व राजमार्ग परियोजनाओं का काम भी रुक गया है। इसके अलावा, प्रदेश सरकार द्वारा रेलवे की 12,286 करोड़ रुपये की परियोजना समेत अन्य कई परियोजनाओं में अड़ंगा डाला जा रहा है। ज्यादातर परियोजनाओं का काम जमीन अधिग्रहण और राज्य सरकार की मंजूरी लंबित होने के कारण रुका हुआ है। प्रधान ने कहा कि उन्होंने विभिन्न मसलों को लेकर ओडिशा के मुख्यमंत्री को 62 पत्र लिखे हैं जिनमें 2017 से लिखे गए 44 पत्र भी शामिल हैं, लेकिन उन्होंने सिर्फ एक की प्राप्ति की सूचना दी।

दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत की 3 गुनी : आर्थिक सर्वेक्षण

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय वर्तमान कीमत स्तर पर 2018-19 के दौरान 3,65,529 रुपये होने का आकलन किया गया है, जोकि राष्ट्रीय स्तर की प्रति व्यक्ति आय 1,25,397 रुपये की करीब तीन गुनी है। यह आकलन शनिवार को दिल्ली विधानसभा में पेश आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2018-19 में किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय वर्तमान कीमत स्तर पर 2018-19 में 3,65,529 रुपये रहने का अनुमान है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रति व्यक्ति आय 1,25,397 रुपये है। इस प्रकार दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत की करीब तीन गुनी है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रति व्यक्ति आय किसी क्षेत्र के लोगों द्वारा किसी विशेष साल में प्राप्त आय का औसत है। वर्तमान कीमत स्तर पर दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय 2011-12 में 1,85,361 रुपये थी जो 2018-19 में बढ़कर 3,65,529 रुपये हो गई। इस प्रकार प्रति व्यक्ति आय में सालाना 10.19 फीसदी की दर से वृद्धि हुई। हालांकि स्थिर कीमत स्तर पर दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय में इस दौरान सालाना 6.06 फीसदी की वृद्धि हुई।

टाटा पावर डीडीएल ने बांटे 10 लाख एलईडी उत्पाद

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली में बिजली वितरण करने वाली कंपनियों में से एक टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर डीडीएल) ने ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से 10 लाख एलईडी उत्पाद बांटकर सालाना 3 करोड़ यूनिट बिजली बचाने और कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन को 9,856 मीट्रिक टन घटाने का काम किया है।

पेट्रोल, डीजल के दाम लगातार तीसरे दिन बढ़े

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल के दाम में रविवार को लगातार चौथे दिन इजाफा हुआ। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में इन चार दिनों में पेट्रोल 42 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है, जबकि डीजल के दाम में 47 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। तेल विपणन कंपनियों ने रविवार को दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई में पेट्रोल के दाम में सात पैसे, जबकि चेन्नई में आठ पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की। डीजल के भाव दिल्ली, कोलकाता और मुंबई नौ पैसे, जबकि चेन्नई में 10 पैसे प्रति लीटर बढ़ गए हैं।

सरकार और बीसीसीआई के फैसले के साथ: विराट

नई दिल्ली (आरएनएस)। पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने के सवाल पर कप्तान विराट कोहली ने टीम इंडिया का रुख साफ किया। रविवार को ऑस्ट्रेलिया के साथ होनेवाले पहले टी20 मैच से पहले विराट ने कहा कि टीम का स्टैंड वही होगा जो देश, बीसीसीआई और सरकार तय करेगी। उन्होंने कहा कि लिया गया फैसला उन्हें और पूरी टीम को मंजूर होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलवामा के सवाल पर विराट ने कहा, आतंकी हमले की घटना दुखद थी। हमले में शहीद हुए जवानों के परिवारों के प्रति मेरी और टीम की तरफ से संवेदनाएं हैं। इस (पाकिस्तान के साथ खेलने) संबंध में देश, सरकार और बोर्ड जो भी फैसला लेंगे, हमें मंजूर होगा। बता दें कि पुलवामा हमले में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद का नाम आने के बाद देशभर में उसके प्रति गुस्सा है। पाकिस्तान से हर तरह के संबंध तोड़ने की बातें हो रही हैं। इसमें क्रिकेट भी शामिल है। दोनों टीमों का हाल में आमना-सामना 16 जून को वर्ल्ड कप 2019 में होना है।

आज का राशिफल

मेषः- कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होगा। सांयकाल के समय कोई रूका काम बनने की संभावना है।

वृषभः- आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है।

मिथुनः- किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। संतान की शिक्षा या प्रतियोगिता में सफलता का समाचार मिलने से हर्ष होगा। सांयकाल में कोई रूका कार्य पूरा होगा।

कर्कः- कार्यक्षेत्र में आपको थोड़ा सोच समझकर ही कोई भी फैसला लेना चाहिए। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है।

सिंहः- आमदनी के नए स्तोत्र बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा। विदेश संबंधी कार्यो व संतान पर अनावश्यक पैसा खर्चा हो सकता है।

कन्याः- रोजगार व व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। शुभ खर्चा व कीर्ति की वृद्धि होगी। किसी संपत्ति के खरीद-फरोख्त के समय उसके पूर्व संपत्ति के सारे पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें।

तुलाः- कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी होगी।

वृश्चिकः- आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर, धन, सम्मान, यश-कीर्ति की वृद्धि होगी। रूका हुआ कार्य सिद्ध होगा, प्रियजनों से भेंट होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनुः- आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है।

मकरः- आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगा। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। माता-पिता का विशेष ध्यान रखें।

कुंभः- नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन और सफलता मिलने की उम्मीद है। आपकी पूंजी में भी बढ़ोतरी होगी, लेकिन शुरुआती निवेश में आपको कुछ सावधान रहने की आवश्यकता है।

मीनः- सगे-संबंधियों से आज लेन-देन न करें, संबंध खराब हो सकते हैं। नए व्यापार के लिए नई योजनाएं बनेंगी जो आगे चलकर धन लाभ कराएंगी। कार्यालय में आपके अनुकूल वातावरण बनेगा तथा आपके साथी आपका सहयोग करेंगे।

टेस्टी पाइनएप्पल पाई...

पाइनएप्पल पाई को आप शाम के नाश्ते के अलावा बच्चों के टिफिन में भी पैक कर सकती हैं जिसके बाद उनका टिफिन कभी भी भरा हुआ वापस नहीं आएगा।

सामग्री :-

पाइनएपल पाई सामग्री– 400 ग्राम अनानास क्रश, 150 ग्राम क्रीम, 400 ग्राम अनानास के टुकड़े, 2 वनिला स्पॉन्ज (इसे छोटे टुकड़ों में काटकर इस्तेमाल करें)

डो बनाने की सामग्री– 250 ग्राम मैदा/आटा, 125 ग्राम व्हाइट बटर, 125 ग्राम आइसिंग शुगर, 3 टेबलस्पूव पानी, 10 अंडे, 125 मिलीलीटर मक्खन

विधि :-

सॉसपैन को गर्म करें। इसमें अनानास क्रश, अनानास के टुकड़े और थोड़ा सा पानी डालकर गर्म करें। एक उबाल आने दें। जब यह गाढ़ा हो जाए तब गैस बंद कर दें। इसे ठंडा होने के लिए चार घंटे तक फ्रिज में रखें। डो बनाने की सामग्री लेकर मुलायम आटा गूंथ लें। इसे मोटी रोटी की तरह बेल लें। एक लेयर के बीच में पाइनएपल स्टफिंग फैलाएं। ऊपर से पाइनएपल के टुकड़ें और वनिला स्पॉन्ज को सेट करें। इन्हें पाई शैल में डालें। ऊपर से ऑलिव ऑयल का स्प्रे करें। अब इसे मिनट तक बेक करें। ठंडा हो जाने पर इसे चौकोर पीस में काट लें। टॉकलेट सॉस और स्ट्रॉबेरी क्रश को प्लेट में सजाएं। साइड में पाइनएपल पाइ को सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-88

बाएं से दाएं :
1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे
1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

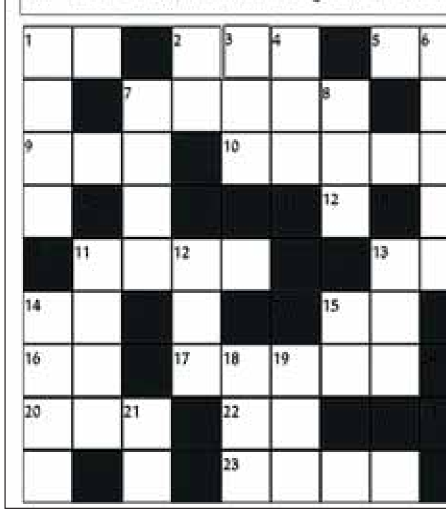

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 87 का हल

ग	ल	त				खा	म	खाँ
णे		ल		झ	प	की		
श	र	ब	त		रं			मि
	ज	गा	ना		प	रा	का	ष्ठा
	नी	र		वि	रा	ज	मा	न
ना	च			प			य	
म	र	णा	स	न्न		पा	नी	
ची			प		पा			भो
न	ज	रा	ना		स	मा	चा	र

सू-दोकू-88

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.87 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5